वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 123 | बुधवार 27 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रियल स्टेट का महाकुंभ समारोह पूर्वक सम्पन्न

रियल स्टेट महाकुंभ का निवेशकों व ग्राहकों ने जमकर उठाया फायदा

मदनगंज-किशनगढ. शाबाश इंडिया

संपर्क संस्थान और राजस्थान रियलटर्स के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थान की मैनचेस्टर नगरी किशनगढ़ में प्रॉपर्टी एक्स्पो का समापन समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ। लव कुश होटल में दो दिवसीय इस भव्य आयोजन में राजस्थान के टॉप 15 बिल्डर्स ने प्लॉट, विला, फ्लैट्स, दुकाने, कार्यालय, कॉमर्शियल, रिसोर्ट सहित अपने-अपने प्रोजेक्ट को निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत किए। बड़े बिल्डर्स ने लिया भाग- इस प्रॉपर्टी एक्सपो में मंगलम ग्रुप के साथ रांकावत ग्रुप, रोसियम कॉलोनाइजर्स, चोरडिया ग्रुप, फाइन एसर्स, समन्वयक ग्रुप, यदुराज रियलिटी, वंशदीप, एस. आर. एस., आधार प्राइम, श्रीराम ग्रुप, वृन्दावन प्रापर्टीज के प्रमोटर्स ने अपने-अपने प्रोजेक्ट्स और

उनकी विशेषताओं को दर्शाया। निवेशकों व ग्राहकों के लिए एक सुनहरा अवसर रहा- यह आयोजन किशनगढ़ वासियों के लिए अनेक सौगातें लेकर आया। निवेशकों और बिल्डर्स के बीच की कड़ी बने राजस्थान रियलटर्स और सम्पर्क संस्थान के प्रयासों की सबने सराहना की। एक ही छत के नीचे राजस्थान के टॉप बिल्डर्स-इस आयोजन में किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी, पूर्व विधायक सुरेश टाक, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन, उपाध्यक्ष रमेश चांडक, समाजसेवी प्रदीप अग्रवाल, चंदू वैद, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष रामनारायण झंवर, ज्वेलर्स एसोसिएशन के सुरेंद्र मेहनोत, किशनगढ़ टेक्सटाइल पार्क चेयरमैन विजय अग्रवाल, प्रमुख उद्योगपति ओम तोषनीवाल सहित अनेक व्यापारियों ने अवलोकन किया।

लकी ड्रा के जरिये पुरस्कार दिए

मार्बल पॉवरलूम और विभिन्न समाज के साथ जनप्रतिनिधियों का उमड़ा सैलाब- इस दौरान विजिटर्स को अनेक लकी ड्रा के जरिये पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में सभी बिल्डर्स को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। राजस्थान रियलटर्स के डायरेक्टर नवीन भूटानी और संपर्क संस्थान के अध्यक्ष अनिल लढ़ा, तक्षक कंपनी की डायरेक्टर प्रियल टांक, सुनील अग्रवाल, मधु मूलचंदानी, कल्पना टाक, नवीन व्यास ने अतिथियों का स्वागत किया।

भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में होंगे निर्यात: मोदी

अहमदाबाद. कासं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में निर्यात किए जाएंगे, साथ ही देश में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन भी शुरू होगा। मोदी ने गुजरात में अहमदाबाद जिले के हांसलपुर में सुजुकी की 'ई-विटारा' इलेक्ट्रिक कार का अनावरण, ग्रीन मोबिलिटी पहल का उद्घाटन किया और कहा कि गणेशोत्सव की उत्सव भावना के बीच मेक इन इंडिया यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। आज से भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में निर्यात किये जायेंगे। साथ ही घोषणा की कि देश में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन भी शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि गणेश चतुर्थी के उत्सव के बीच, भारत की मेक इन इंडिया यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के साझा लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत और जापान की मैत्री को एक नया आयाम देता है, उन्होंने भारत, जापान और सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत की सफलता की कहानी के बीज 12-13 साल पहले बोये गये थे,

पीएम मोदी ने सुजुकी की 'ई-विटारा' इलेक्ट्रिक कार का अनावरण, ग्रीन मोबिलिटी पहल का उद्घाटन किया

2012 में उनके मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान, हांसलपुर में मारुति सुजुकी को जमीन आवंटित की गयी थी। उस समय भी आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया का दृष्टिकोण मौजूद था। वे शुरूआती प्रयास अब देश की वर्तमान आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने दिवंगत ओसामु सुजुकी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मारुति सुजुकी इंडिया के लिए ओसामु सुजुकी के दृष्टिकोण के व्यापक विस्तार को देखकर खुशी हो रही है।

कर्मयोगी बनें...

मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भोग-विलास या भौतिक सुख-सुविधाओं का संचय करना नहीं है। जीवन का सार इस बात में है कि हम अपने कर्तव्यों को समझें और उन्हें निष्ठा, ईमानदारी तथा समर्पण के साथ निभाएँ। यही भाव कर्मयोग कहलाता है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को यही उपदेश दिया कि ''निष्काम भाव से कर्म करो।'' अर्थात फल की चिंता किए बिना अपने कर्म में तल्लीन रहो। जब व्यक्ति स्वार्थ और अहंकार को त्यागकर समाज, परिवार, राष्ट्र तथा ईश्वर के लिए कार्य करता है, तभी वह सच्चा कर्मयोगी कहलाता है।

कर्मयोगी की विशेषताएं

1. निष्काम भावः वह अपने कार्य का परिणाम ईश्वर पर छोड़ देता है।
2. समर्पणः वह हर कार्य को पूजा मानकर करता है।
3. निरंतरताः सफलता या असफलता से विचलित न होकर कर्मपथ पर अडिग रहता है।
4. सेवा भावः उसका हर कार्य समाज और मानवता के कल्याण के लिए होता है।

जीवन में कर्मयोग क्यों अपनाएं?

यह मन को शांति देता है। अहंकार, ईर्ष्या और आलस्य से मुक्ति मिलती है। प्रत्येक छोटा कार्य भी महान बन जाता है जब वह समर्पण से किया जाए। कर्मयोग से व्यक्ति आत्मिक उन्नति पाता है और जीवन धन्य हो जाता है।

निष्कर्ष

कर्मयोग केवल साधना या ग्रंथों तक सीमित नहीं है, यह हर रोज के जीवन का हिस्सा है। छात्र अपने अध्ययन को, किसान अपनी खेती को, व्यापारी अपने व्यापार को और गृहस्थ अपने परिवार की देखभाल को अगर निष्काम भाव से करें तो सब कर्मयोगी बन सकते हैं। अतः हमें चाहिए कि अपने जीवन में कर्म को पूजा समझें और समर्पण भाव से अपने कर्तव्य का पालन करें। यही सच्चा योग है, यही जीवन की श्रेष्ठ साधना है।

अनिल माथुर-जोधपुर (राजस्थान)

श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर चित्रकूट कालोनी का 39वां मंदिर स्थापना दिवस मनाया

हुई 1008 दीपकों से भगवान महावीर की महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया

चित्रकूट कालोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर का 39 वां स्थापना दिवस आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार 26 अगस्त को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर प्रातः मंदिर जी में अभिषेक, शांतिधारा के बाद सामूहिक पूजा विधान किया गया । सायंकाल कवर का बाग में 108 दीपकों से भगवान महावीर की महाआरती की गई। रात्रि में हुई भक्ति संध्या में महावीरा झूले पलना....., महावीर की मूंगा वर्णी मूरत मनहारी....., म्हारा मन मंदिर में आन पधारो महावीर भगवान.....सहित अन्य जैन भजनों की भव्य प्रस्तुति दी गई। जिन पर श्रद्धालू झूम उठे। प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि इससे पूर्व प्रातः हुई धर्म सभा में दिव्य तपस्वी राष्ट्र संत आचार्य सुंदर सागर महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि गलतियों को सुधारने के लिए मौका मिलता है। जैन शासन में जो गलती सुधार लेता है वह भगवान बन जाता है। पूरे भारत में जैन हो या अजैन हो, कोई भी हो आज की तिथि भादो सुदि तीज है सब जानते हैं । आज रोट तीज है रोट तीज षट रस त्याग का दिन है। यह पर्व कोई धार्मिक पर्व नहीं है

अपितु सामाजिक पर्व है। इसको त्रिलोक तीज व्रत भी कहते हैं। हमारा जैन शासन भोगों का नहीं योगों का शासन है हमारे जैन धर्म में भोगों का नहीं उपवास करने का महत्व है। यह तीज का पर्व आज से चौदस तक शुद्ध भोजन करने की सीख देता है। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं महामंत्री मूल चन्द पाटनी ने बताया कि आज से 38 वर्ष पहले मंदिर स्थापना के समय केवल 7 परिवार चित्रकूट कालोनी में निवास करते थे आज बढकर आज 350 परिवार हो गये हैं। मंदिर जी में विराजमान भगवान महावीर की प्रतिमा आसपास के सभी मंदिरों में विराजमान प्रतिमाओं में सबसे बडी प्रतिमा है।

-विनोद जैन कोटखावदा

अजीत कोठिया, सुरेश गांधी तथा हर्षवर्धन जैन महावीर इंटरनेशनल की गवर्निंग काउंसिल 2025-27 में निर्विरोध निर्वाचित

नौगामा. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के द्विवार्षिक चुनावों में वागड़ जोन डूंगरपुर बांसवाड़ा से गवर्निंग काउंसिल में डडूका निवासी अजीत कोठिया, नौगामा निवासी सुरेश चंद्र गांधी तथा डूंगरपुर निवासी हर्षवर्धन जैन वर्ष 2025-27 के लिए निर्विरोध चुने गए हैं। उल्लेखनीय है राष्ट्रीय स्तर पर महावीर इंटरनेशनल की 51सदस्यीय गवर्निंग काउंसिल वो एपेक्स बॉडी है जो इसके क्रिया कलापों का नीति निर्धारण करती है। कोठिया सातवीं बार और गांधी तथा जैन प्रथम बार गवर्निंग काउंसिल सदस्य चुने गए हैं। इस गौरवमई उपलब्धि पर अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन, महासचिव अशोक गोयल, ट्रेजरार सुधीर जैन, पूर्व महासचिव पुरुषोत्तम भंडारी, अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम राठौड़, क्षेत्रीय सचिव अनिल जैन, जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन, जोन सचिव विनोद दोसी, जोनल कॉर्डिनेटर नयनेश जानी, जी सी मेंबर विनोद दोशी, विजय जैन, प्रीतल पंड्या, सुंदरलाल पटेल, भुवनेश्वरी मालोंत, गीता चौधरी, परेश पंड्या, सूरजमल अहारी, कल्पना दोशी, रामभरत चेजारा, कल्पेश कोठारी, सतीश जैन, दिलीप दोसी, बसंत शर्मा, महिपाल दोसी, रमनलाल डामोर, राजमल सोनी, अनिल दोसी, प्रकाश जैन, प्रेरणा शाह, तिलकनंदनी शाह, निधि गांधी, वंदना कोठारी, सुनील गांग, शिल्पा बंब, प्रदीप सेठ, कमलेश जैन, जयंतीलाल जैन, राजेंद्र कोठिया, निर्मल सिंघवी, एम. के जैन, दक्षा उपाध्याय, महेश पंवार सहित कई पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं।

धर्म जीवन जीने की कला है: आचार्य विनीत सागर

सामूहिक अभिषेक, विशेष पूजा-अर्चना और प्रवचन से गूंजा श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर

डीग. शाबाश इंडिया। ब्रज अंचल की पवित्र नगरी डीग स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे चातुर्मास महोत्सव के दौरान सोमवार को एक विशेष अवसर उपस्थित हुआ। इस दिन जैन मुनि अर्पण सागर महाराज का जन्मदिवस बड़ी श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर प्रातःकाल से ही भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा। सुबह आरंभ हुए सामूहिक अभिषेक में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान पार्श्वनाथ और अन्य जिनबिंबो का अभिषेक किया। इसके पश्चात विशेष पूजा- अर्चना, सामूहिक आरती और शास्त्र भेंट कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समाज के हर वर्ग के लोगों ने आस्था से ओत-प्रोत होकर इस महोत्सव में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर मंदिर दीपमालाओं की रौशनी से जगमगा उठा और भक्ति भाव से वातावरण सुगंधित हो गया। कार्यक्रम में अपने प्रवचन के दौरान आचार्य विनीत सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म जीवन जीने की कला है। धर्म केवल ग्रंथों तक सीमित नहीं, बल्कि उसे व्यवहार में लाना ही वास्तविक साधना है। जब व्यक्ति धर्ममय जीवन जीता है, तभी उसका वर्तमान और भविष्य दोनों ही सुखमय हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि धर्म का सार आत्मा की शुद्धि, अहिंसा, सत्य और करुणा में निहित है। हमें अपने जीवन में साधना, संयम और सेवा को धारण करना चाहिए। धर्म से जीवन को दिशा और उद्देश्य मिलता है तथा यही हमें वास्तविक आनंद और शांति का अनुभव कराता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने आचार्य श्री के पावन वचनों को आत्मसात कर धर्ममय जीवन जीने का संकल्प लिया। भक्ति, ज्ञान और साधना से सराबोर यह जन्मदिवस कार्यक्रम चातुर्मास महोत्सव के लिए अविस्मरणीय बन गया।

जेएसजी संस्कार द्वारा पर्युषण पर्व पर भव्य भक्ति संध्या

उदयपुर. शाबाश इंडिया

स्थानकवासी जैन श्वेतांबर श्रावक संघ भुपालपुरा द्वारा पर्युषण पर्व के आठों दिवस गुरू केशव भक्ति संध्या का आयोजन किया जा रहा है । इस भक्ति संध्या के छठे दिवस की भक्ति के लाभार्थी जैन सोश्यल ग्रुप संस्कार परिवार व ग्रुप के सह सचिव राजेश जी सामर परिवार रहे। जैन सोश्यल ग्रुप संस्कार अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि अंकित खोखावत के जैन भक्ति ग्रुप के भजन गायकों ने भक्ति गीतों का समां बांध दिया जो देर रात तक चला। भक्ति की है रात दादा आज थाने आणो है, जब खिड़की खोलूं तो तेरे दर्शन हो जाए, जैनियों का त्यौहार आया, मेरे सिर पर रख दो गुरूवर अपने ये दोनों हाथ आदि भक्ति गीतों से सभी श्रद्धालु झुम उठे व अपने आपको थिरकने से नहीं रोक पाए। संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश कोठारी ने केशुलाल महाराज की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनके चौदह चातुर्मास नाई गांव में सम्पन्न हुए थे। जैन सोश्यल ग्रुप संस्कार, सुरेन्द्र सामर, प्रकाश कोठारी, डॉ प्रमिला जैन, सुनील कोठारी, ललित धुप्या, ललित जैन आदि सदस्यों ने अर्थ सहयोग प्रदान कर पुण्यार्जन किया। संस्कार ग्रुप के सह सचिव राजेश सामर परिवार प्रभावना के लाभार्थी रहे। स्थानकवासी जैन श्वेतांबर श्रावक संघ भुपालपुरा के अध्यक्ष व सचिव द्वारा संस्कार ग्रुप के पदाधिकारियों का माला ऊपरणा से सम्मान किया गया। भक्ति संध्या के दौरान पांच लक्की ड्रा निकालकर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया वहीं एक विशेष लक्की ड्रा निकला गया जिसमें चांदी का सिक्का विनोद मोगरा के भाग्य में रहा। इस भक्ति संध्या में खचाखच भरे हुए पांडाल में संस्कार ग्रुप के सदस्यों की गरिमामई उपस्थिति रही। महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

वेद ज्ञान

चुनौतियों से जूझना ही जीवन

दीर्घावधि तक टिकी या बेकाबू प्रतीत होती कठिनाई, दुविधा या रुकावट चुनौती का रूप ले लेती हैं। सामान्य सोच विचार के अनुसार फूल हैं तो कांटे भी होंगे। प्रतिकूल परिस्थितियां जीवन का अभिन्न अंग हैं, इनका आना-जाना लगा रहेगा और इन्हें स्वीकार करना होगा। अंधकार न हो तो प्रकाश की कद्र कैसे होगी? चुनौतियों से निरंतर जूझते रहने का नाम ही जीवन है। जिन्हें सदा संरक्षण मिलता रहा वे स्वतंत्र रूप से बेहतरीन कार्य निष्पादन में अक्षम रहे। ज्ञान-विज्ञान, तकनीक, कला, साहित्य, अध्यात्म, समाजकार्य आदि के क्षेत्रों में जिन्होंने बुलंदियां हासिल कीं, उन्होंने कुदाली पकड़कर अपने रास्ते स्वयं तैयार किए। लक्ष्य प्राप्ति की उधेड़बुन में एक-दर-एक चुनौती से निबटने की प्रक्रिया में उन्हें निजी स्वार्थ साधने की सुध न रही। सुविदित भौतिक शास्त्री न्यूटन ने गति की बेहतर समझ में आड़े आती चुनौतियों को सुलझाते हुए गणित की एक प्रशाखा कैल्कुलस ईजाद कर डाली। किसी निर्धारित या नपे-तुले कार्य को पूरा कर डालना यांत्रिक गतिविधि है, जिसे रोबोट या मशीन कम समय में अधिक दक्षता से बखूबी निपटा लेती है। इसकी तुलना में चुनौतियों से जूझने के लिए बुद्धि, अंतर्दृष्टि, दूरदृष्टि और विशेष सूझबूझ चाहिए। कर्मवीर चुनौतियों से कतराता या बचने का प्रयास नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जानता है कि इन्हीं सीढ़ियों के माध्यम से मंजिल तक पहुंचा जाएगा। मार्टिन लूथर किंग के अनुसार किसी की शख्सियत की पहचान सुविधा संपन्न परिस्थितियों के दौरान नहीं, बल्कि तब होती है, जब वह चुनौतियों से घिरा होता है। एक कवि ने यहां तक लिखा है, जिस व्यक्ति को प्रकृति असाधारण मुकामों के लिए तराशती है, उसे थपेड़ती, पटकती और तूफानों और कठिनतम परीक्षणों से गुजारती है तब जाकर वह निखर कर नायाब हीरा बनता है। दरअसल चुनौतियों का सामना किए बगैर प्रगति संभव नहीं। चुनौतियों से भागने या आंख मूंदने का अर्थ है समाधान से और अधिक दूर चले जाना। नई चुनौती व्यक्ति को तोड़ दे या झकझोर कर उसमें अभीष्ट तक पहुंचने की ललक जगा दे, यह उसकी सोच और नजरिए पर निर्भर है।

संपादकीय

भ्रष्टाचार पर कड़ा पहरा बेहद जरूरी

प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी की पकड़ से बचने के लिए पश्चिम बंगाल के एक विधायक ने जिस तरह भागने की कोशिश की, उसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए। स्कूल भर्ती में अनियमितता के सिलसिले में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा पहले भी जेल जा चुके हैं और अभी जमानत पर थे। शर्मनाक है कि ईडी पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में स्कूल भर्ती में अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में विधायक से

जुड़ी संपत्तियों की तलाशी ले रही थी और इसी दौरान विधायक ने परिसर की चारदीवारी फांदकर भागने की कोशिश की। विधायक ने भागते हुए अपना मोबाइल तालाब में फेंक दिया, कीचड़ से लथपथ होने के बाद ही केंद्रीय बल ने विधायक को पकड़ा। यह अपनी तरह का त्रासद मामला है। यह सोचकर ही हैरत होती है कि एक विधायक किसी सामान्य अपराधी की तरह भागने की कोशिश करते हुए पकड़ा जाए। जब कोई आरोपी इस तरह से भागने की कोशिश करता है, तो वास्तव में उसे नुकसान ही होता है। क्या स्वयं शिक्षक रह चुके दागी विधायक को नुकसान का अनुमान नहीं था? क्या अपने और अपनी पार्टी के सम्मान की चिंता नहीं थी ? एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या हमने भ्रष्टाचार को सामान्य मान लिया है? क्या भ्रष्टाचार पर चर्चाएं पहले की तुलना में कम हो गई हैं? बिहार में ही भ्रष्टाचार के एक मामले की बहुत चर्चा है। बिहार के पटना में इकोनॉमिक ऑफेंस यूनिट ग्रामीण कार्य विभाग में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के पद पर काम कर रहे विनोद कुमार राय के ठिकाने पर छापेमारी के लिए पहुंची। बताया जाता है कि आरोपी इंजीनियर की पत्नी ने नियमों का हवाला देकर अधिकारियों को रात के समय घर में घुसने नहीं दिया और मिले हुए समय में लाखों रुपये के नोट जलाती रही। नोट जलाने से घर की नालियां तक जाम हो गईं। इसके बावजूद छापेमारी में लाखों रुपये की नकदी, गहने और महंगी घड़ियां बरामद हुई हैं। अधजले नोट भी बरामद हुए हैं। पश्चिम बंगाल और बिहार के इन दो मामलों से यह पता चलता है कि अनेक आरोपी येन- केन-प्रकारेण बचने की साजिश रचते हैं, पर भ्रष्टाचार इतना ज्यादा है कि बचना मुश्किल हो जाता है। यह बड़ा सवाल है कि अनेक इंजीनियरों के पास करोड़ों रुपये की नकदी, संपत्ति, जमीन की बरामदगी कैसे हो रही है ? जो अधिकारी दिन-रात मेवा खाने में लगे हैं, वे भला प्रदेश और देश की कैसी सेवा कर रहे होंगे ? यह उम्मीद जगाई गई थी कि ऑनलाइन पेमेंट की वजह से भ्रष्टाचार घटेगा, पर अब यह ईमानदारी से परखना होगा कि शासन-प्रशासन में विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार समय के साथ कहीं बढ़ने तो नहीं लगा है ? यह ठीक से समझ लेना चाहिए कि देश के तेज विकास के लिए भ्रष्टाचार पर लगाम जरूरी है। अगर हम भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगाएंगे, तो आर्थिक समानता को ज्यादा बल नहीं मिलेगा। आर्थिक समानता का लक्ष्य विकसित होने की आशा के साथ नत्थी है। एक विकसित देश अपनी ईमानदारी की वजह से ही समाज में एक अलग तरह की संस्कृति को जन्म देता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

चीन को पीएम की चुनौती

हम आपको बता दें कि मोदी के नेतृत्व में मैक इन इंडिया केवल नारा नहीं, बल्कि वैश्विक उद्योग रणनीति बन चुकी है। मारूति सुजूकी विटारा का शुभारंभ भारत को वैश्विक ईवी एक्सपोर्ट हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर है। आज की दुनिया में रेयर अर्थ मैग्नेट्स और क्रिटिकल मिनरल्स (जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल) बिना इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और बैटरी इंडस्ट्री की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अब तक इन संसाधनों पर चीन का जबर्दस्त वर्चस्व रहा है। मोदी सरकार ने **National Critical Mineral Mission** की शुरूआत कर भारत में क्रिटिकल मिनरल्स की जरूरत को पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस मिशन के तहत भारत के विभिन्न हिस्सों में खोज अभियान चलाकर घरेलू खनिज क्षमता बढ़ाई जा रही है। लक्ष्य यह है कि भारत को रेयर अर्थ सप्लाई चैन के लिए आत्मनिर्भर बनाया जाए और विदेशी दबाव कम हो। यह कदम सीधा चीन की रेयर अर्थ मोनोपोली को चुनौती देता है, क्योंकि अब भारत खुद अपनी सप्लाई लाइन तैयार करेगा। हम आपको बता दें कि मोदी के नेतृत्व में मैक इन इंडिया केवल नारा नहीं, बल्कि वैश्विक उद्योग रणनीति बन चुकी है। मारूति सुजूकी विटारा का शुभारंभ भारत को वैश्विक ईवी एक्सपोर्ट हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर है। अब भारत से बनी ईवी 100 देशों में, जापान और यूरोप जैसे बाजारों तक निर्यात होंगी। हम आपको बता दें कि गुजरात के हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड और लिथियम-आयन प्लांट का शुभारंभ हुआ है, जिससे बैटरी इकोसिस्टम घरेलू स्तर पर मजबूत होगा। साथ ही, भारत में अगले 5-6 वर्षों में 70,000 करोड़ का निवेश आ रहा है, जो सीधे ईवी और बैटरी सेक्टर को टार्गेट करता है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर फैब्स और बैटरी मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी यह पूरी चेन भारत को चीन के विकल्प के रूप में स्थापित कर रही है। हम आपको बता दें कि अब तक इलेक्ट्रिक वाहनों की सप्लाई चेन में चीन का लगभग 80% नियंत्रण था– खासकर रेयर अर्थ माइनिंग, प्रोसेसिंग और बैटरी निर्माण में। मोदी सरकार का निर्भरता को तोड़ने का बड़ा कदम है। ईवी और बैटरी प्लांट्स का लोकलाइजेशन, सेमीकंडक्टर उत्पादन और क्रिटिकल मिनरल्स की खोज भारत को स्ट्रैटेजिक स्वतंत्रता देगा। इससे अमेरिका, जापान और यूरोप जैसे देशों को भी भारत एक विश्वसनीय सप्लायर दिखाई देगा। मारूति सुजूकी विटारा का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा– मैक इन इंडिया, मैक फॉर वर्ल्ड प्रधानमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और भारत सरकार को यह भी पता है कि ऑटो उद्योग के लिए रेयर अर्थ मैंगनीज की कमी है। इस दिशा में उद्योग की क्षमता बढ़ाने के लिए हमने राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन की भी शुरूआत की है। इसके तहत देश के अलग-अलग हिस्सों में और अधिक खोज अभियानों को अंजाम दिया जाएगा और महत्वपूर्ण खनिजों की खोज की जाएगी। हम आपको बता दें कि पिछले 10 वर्षों में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 500% बढ़ा है साथ ही मोबाइल फोन में 2700% और रक्षा उत्पादन में 200% की वृद्धि हुई है। देखा जाये तो भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, युवा डेमोग्राफी और स्किल्ड वर्कफोर्स निवेशकों के लिए वाईफाई सिचुएशन बना रही है।

EnactraX
MASTER YOUR SKILLS
A Venture of Pragya
SPECTA
QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA
SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN
PRESENTS & POWERED BY
ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN
Co-Powered By
JEPEE
Co-Powered By
MARUTI CASTINGS
30 HOURS NON-STOP SPEECH
THE BIGGEST OPPORTUNITY OF YOUR LIFE
9H
LISTEN FOR 9 HOURS
★ MAKE WORLD RECORD
SAURABH JAIN
MOTIVATIONAL SPEAKER
Sunday, 9th Nov. 2025
TIME: 8:00 AM (9th Nov) 2:00 PM (10th Nov)
VENUE: BIRLA AUDITORIUM STATUE CIRCLE, JAIPUR.
: 9376-115577, 70731- 88666
Missed Call For Registration +91 9588838868
: https://l1nq.com/saurabh
In Association With
ETHNIC COTLER
Readiprint
NAV
Vandanam Group
M.S. Jewellers
cityvibes
Vivek Asha Kala प्रमुख समाज सेवी
KLEVEN KITCHENS
K M Trans Logistics Pvt Ltd
FLO
The Photo Gallery
Kogta FOUNDATION
ANANTARA
JEEVAN REKHA SUPERSPECIALITY
Jyoti Kumar-Indu Maheshwari प्रमुख समाज सेवी
UT USHA TEXTILE
Supported By
Shree Jain Roadways
Thaper DENTAL CLINIC
ASHMITA JAINN
ocean home
GLORY
SAFARI GROUP
lowline
For More Info.

पीएम श्री राउमावि रावतसर हनुमानगढ़ में ईएलसी कल्ब का गठन

नरेश सिंगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। शिक्षा विभाग राजस्थान एवं राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों की पालना में आज पीएम श्री राउमावि रावतसर में ईएलसी कल्ब का गठन किया गया। इसमें कक्षा 9से12तक के विद्यार्थियों में से एक चैयरमैन, एक वाइस चेयरमैन का निर्वाचन तथा 18सदस्यो को मनोनीत किया गया अर्थात कुल 20सदस्यो से स्कूल मतदाता सारक्षता कल्ब का तथा कार्यकारी समिति ईएलसी का गठन किया गया । जिसमें ईएलसी चेयरमैन कक्षा 11की छात्रा अनिता कुमारी तथा वाइस चेयरमैन कक्षा 12छात्रा तनु बिश्नोई को निर्वाचित किया गया। इसके पश्चात भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस के अनुसार आदर्श मतदान की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया तथा आदर्श मतदान केंद्र स्थापित करते हुए विद्यार्थियों को मतदान प्रक्रिया से परिचित करवाया गया जैसे बीएलओ के रूप भवानी तथा प्रथम मतदान अधिकारी रेणु तथा द्वितीय मतदान अधिकारी प्रवीणा, तृतीय मतदान अधिकारी रवीना, पीठासीन अधिकारी के रूप में खुशबु, तथा राजनीतिक दलों के अभिकर्ता प्रियंका तथा कोमल ने भूमिका को निभाया। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों को मतदान की प्रक्रिया से डेमो रूप से प्रदर्शित किया गया और स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी को निष्पक्ष प्रकिया से मतदान करने हेतु प्रेरित किया। सम्पूर्ण गतिविधियों को प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ एवं ईएलसी प्रभारी भगतसिंह डूडी, वेदप्रकाश, निशा पिलानीया के नेतृत्व में सम्पन्न किया गया।

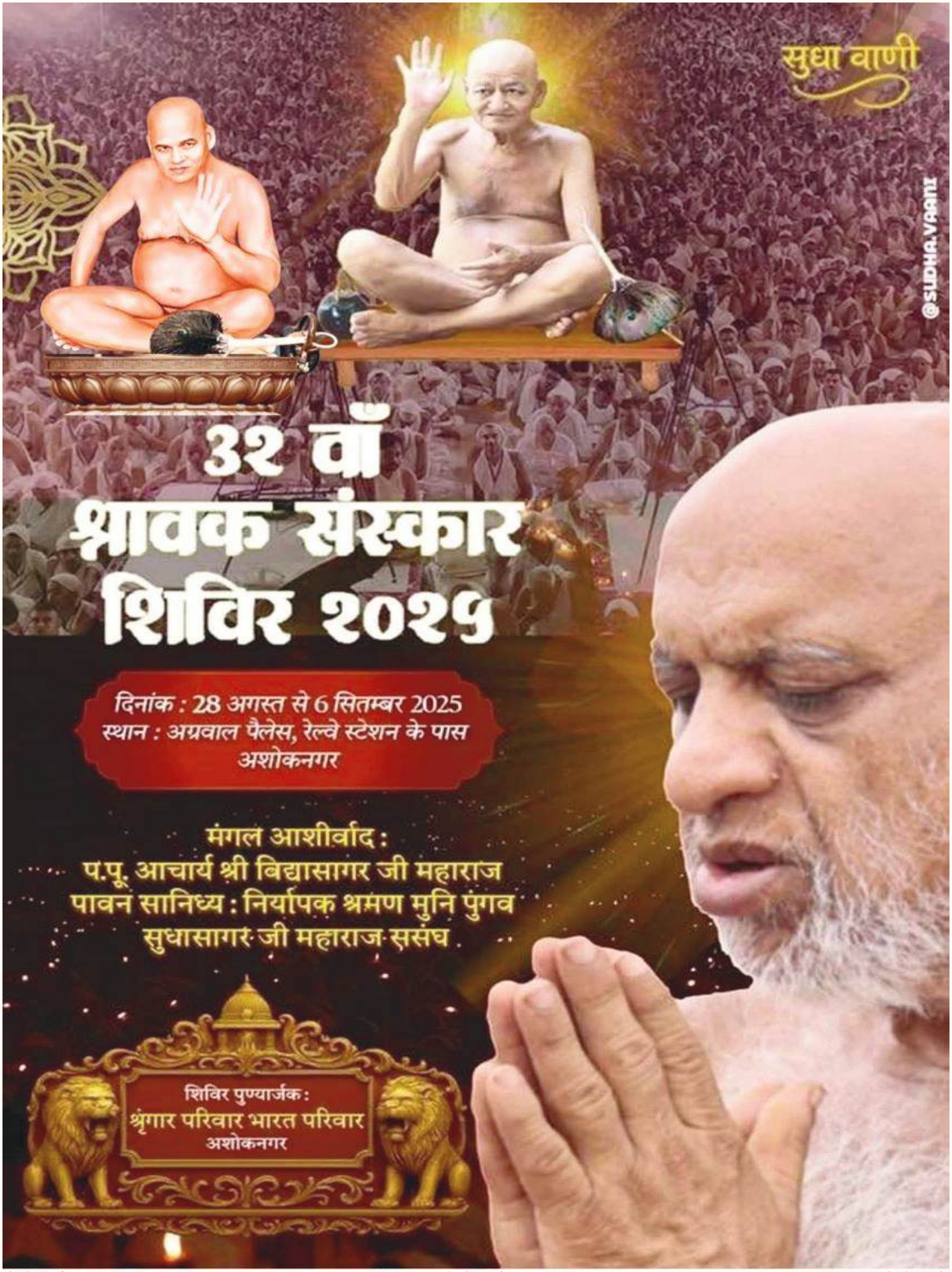
सुधा वाणी
@SUDHA.VAANI
३२ वाँ
श्रावक संस्कार
शिविर २०२५
दिनांक : 28 अगस्त से 6 सितम्बर 2025
स्थान : अग्रवाल पैलेस, रेल्वे स्टेशन के पास
अशोकनगर
मंगल आशीर्वाद :
प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
पावन सानिध्य : निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव
सुधासागर जी महाराज ससंघ
शिविर पुण्यार्जक :
श्रृंगार परिवार भारत परिवार
अशोकनगर

अमेरिका में धर्मप्रभावना करेंगे डॉ. जीवन प्रकाश जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन इस वर्ष जैनधर्म की प्रभावना हेतु अमेरिका में अपना 15 दिवसीय प्रवास करेंगे। आप एक जैन स्कॉलर के रूप में ''जैन समाज ऑफ यू.एस.ए.-न्यूजर्सी'' के द्वारा आमंत्रित किये गये हैं। ज्ञात हो कि जैनधर्म में सबसे महान पर्व ''दशलक्षण पर्व'' को कहा गया है। प्रतिवर्ष यह पर्व भादों शुक्ला पंचमी से भादों शुक्ला चतुर्दशी तक मनाया जाता है और आश्विन कृ. एकम को पूरे विश्व में यह दिवस क्षमावणी के रूप में सभी भक्तजन एक-दूसरे से वर्षभर की गलतियों के प्रति क्षमायाचना करते हुए इसे मनाते हैं। यह दिवस वर्तमान में पूरे विश्व में ''क्षमा दिवस'' के रूप में प्रचलित हो रहा है। ऐसा यह पर्व जिसे जैनधर्म की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी अनादिनिधन पर्व कहती हैं। उनका यह मानना है कि जैन आगम पुराणों में कुछ ऐसे त्योहार हैं जो अनादिकाल से इस सृष्टि पर मनाये जाते रहे हैं। उन्हीं में दशलक्षण पर्व, अष्टान्हिका पर्व प्रमुख हैं। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि ऐसे इस महान पर्व में पूज्य गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के संघस्थ शिष्य डॉ. जीवन प्रकाश जैन का अमेरिका जाकर धर्म की प्रभावना करना समस्त जैन समाज के लिए गौरवपूर्ण है। डॉ. जैन, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ ही जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर, अयोध्या, मांगीतुंगी (नासिक) एवं अनेकों राष्ट्रीय स्तरीय दिगम्बर जैन समितियों में उच्च पदस्थ हैं। विशेषरूप से आप उत्तरप्रदेश सरकार के संस्कृति मंत्रालय से सम्बद्ध उत्तरप्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान-लखनऊ के भी सदस्य हैं। आपका व्यक्तित्व धार्मिक-सामाजिक एवं आध्यात्मिक गुणों से सहित है। अमेरिका के वेस्ट न्यूयार्क स्थित जैन सेंटर के लिए आपका प्रस्थान दिनाँक 26 अगस्त 2025 को अयोध्या से हुआ है। पूर्व में भी आपके द्वारा अमेरिका के अनेकों जैन सेंटर्स यथा-अटलांटा, कैलीफोर्निया, फ्लोरिडा, टेक्सास, फिनिक्स, प्रैंकलिन, न्यूयार्क आदि में जैनधर्म की प्रभावना हेतु जाना होता रहा है।

-उदयभान जैन, जयपुर-राष्ट्रीय महामंत्री

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

सामूहिक संगीतमय भक्तामर पाठ के साथ धावास जैन मंदिर में शुरू होगा दशलक्षण महापर्व

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धावास- जयपुर में दशलक्षण महापर्व का आगाज पूज्य गुरुदेव श्री 108 सुनील सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से संघस्थ ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी एवं सुमन दीदी के निर्देशन में आज 27 अगस्त को सांयकाल संगीतमय सामूहिक भक्तामर पाठ के साथ प्रारंभ होगा। मंदिर समिति के परम संरक्षक गजेंद्र-प्रवीण-विकास बड़जात्या ने अवगत कराया कि दशलक्षण महापर्व में प्रतिदिन अभिषेक- शांतिधारा, महाआरती एवं णमोकार मंत्र के जाप उपरांत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रतिदिन आयोजन होगा। मंदिर निर्माण समिति संयोजक एवं संरक्षक जयकुमार जैन बड़जात्या-सीकर वाले ने अवगत कराया कि धूपदशमी- 2 सितंबर को भव्य सजीव झांकी श्गिरनार का सच, जैनत्व जगाओ-तीर्थ बचाओश् का मंचन धावास जैन मंदिर में होगा। बड़जात्या के अनुसार राजस्थान के जैन इतिहास में प्रथम बार ऐसी झांकी सजाई जा रही है। मंदिर समिति अध्यक्ष सुरेन्द्र बैद एवं मंत्री मितेश ठोलिया के अनुसार दशलक्षण महापर्व के अवसर पर पूज्य गुरुदेव सुनील सागर महाराज के आशीर्वाद से बन रही भव्य झांकी में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, कन्हैयालाल चौधरी, हीरालाल नागर सहित राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री लालचन्द कटारिया, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। कोषाध्यक्ष हेमेंद्र लुहाड़िया एवं सह मंत्री नरेन्द्र-मनोज जैन ने बताया कि भक्तामर पाठ में राजस्थान जैन समाज सभा के पदाधिकारी एवं समाज के श्रेष्ठीजन मौजूद रहेंगे। प्रमुख सलाहकार विजय सेठी एवं संरक्षक ललित काला के अनुसार प्रतिदिन दस धर्मों पर ब्रह्मचारी पूर्णिमा दीदी एवं सुमन दीदी के प्रवचन मंदिर में होंगे। मंदिर प्रबंध समिति ने जयपुर जैन समाज के सभी श्रावकों से सामूहिक संगीतमय भक्तामर पाठ में शरीक होकर पुण्यार्जन करने की अपील की है।

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने मनाया रोट तीज पर्व

व्रत उपवास किये-चौबीस तीर्थंकरों की पूजा की। दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व गुरुवार से -पहले दिन मनायेगें धर्म का उत्तम क्षमा लक्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने मंगलवार , 26 अगस्त को रोट तीज पर्व भक्ति भाव से मनाया। इस मौके पर दिगम्बर जैन श्रद्धालुओं ने मंदिरों में चौबीस तीर्थंकरों की 72 कोठे का मण्डल मांडकर तीन चौबीसी का पूजा विधान किया। जैन बन्धुओं ने घरों में रोट व खीर बनाकर अपने अन्य धर्मों के मित्रों, पड़ोसियों को खिलाया। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार मंदिरों में भक्ति भाव से चौबीस तीर्थंकरों की पूजा के बाद तीनों काल के 108 जाप्य "ॐ ह्री भूत वर्तमान भविष्यत काल सम्बन्धी चतुर्विंशति तीर्थंकरेभ्यों नमः" किये गये। महिलाओं ने व्रत उपवास किये। यह व्रत तीन साल तक किया जाता है। शुद्धता के साथ सिगड़ी में रोट बनाये जाकर सर्वप्रथम रोट, घी, बूरा, तुरई का रायता मंदिरों में पाट पर चढाया गया। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति सूर्य नगर सम्भाग की युवा प्रकोष्ठ मंत्री दीपिका जैन कोटखावदा के मुताबिक रोट तीज के व्रत से अक्षय निधि की प्राप्ति होती है। भट्टारक परम्परा से रोट तीज की शुरूआत हुई। इसे त्रैलोक्य (त्रिलोक) तीज भी कहते हैं। मंदिरों में पूजा के बाद महिलाओं द्वारा रोट तीज व्रत कथा का श्रवण किया गया। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के रोट तीज पर्व पर मंगलवार 26 अगस्त को राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के सांगानेर सम्भाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया के निवास स्थान पर जयपुर शहर सासंद मंजू शर्मा व अन्य राजनेताओं ने रोट खीर एवं तुरई का रायता ग्रहण किया इस मौके पर परिवारजनों ने सभी का भावभीना स्वागत किया।

दशलक्षण महापर्व कल से - मंदिरों में दस दिन तक पूजा अर्चना के होगें विशेष आयोजन

विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के साथ षोडशकारण एवं मेघमाला व्रत सोमवार 8 सितम्बर तक चलेगे । गुरुवार, 28 अगस्त से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो शनिवार, 6 सितम्बर तक चलेगे ।इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें ।जैन धर्म में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव,उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रम्हचर्य सहित धर्म के 10 लक्षण होते हैं।इन दस दिनों में प्रातः से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजो की विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। धर्मावलंबी तीन दिन, पांच दिन, आठ दिन, दस दिन, सोलह दिन, बत्तीस दिन सहित अपनी क्षमता एवं श्रद्धानुसार अलग-अलग अवधि के उपवास करते हैं। जिसमें निराहार रहकर केवल मात्र एक समय पानी लेते हैं। जैन के मुताबिक मंगलवार 2 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जाएगी। इस दिन मंदिरों में चन्दन की धूप अग्नि पर खेई जायेगी। सायकांल ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां सजाई जावेगी । जैन के मुताबिक शनिवार 6 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश होंगे। सोमवार 8 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा ।इस मौके पर वर्ष भर की त्रुटियों एवं गलतियों के लिए आपस में क्षमा मांगेगे, खोपरा मिश्री खिलायेगें। -**विनोद जैन 'कोटखावदा': उपाध्यक्ष-राजस्थान जैन सभा जयपुर**

मनुष्य जीवन गुरु के अनुसार जिएं: मुनि आदित्य सागर

गुरुवार से होगा दस दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर का आयोजन-पूरे देश से श्रद्धालु शामिल होंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज का मानव सुरक्षा तो चाहता है लेकिन सावधानी नहीं रखता जिस कारण वह परेशान होता है। हमें हमेशा स्वयं को देखना चाहिए दूसरों को नहीं। सावधानी से जीवन जीने वाले ही ऊंचाइयों को प्राप्त करते हैं। हम मंदिर जाते हैं भगवान के दर्शन कर अपने कर्मों को काटने के लिए लेकिन वहां भी असावधानी कर लोग झूठ, मायाचारी जैसे पाप करके अशुभ कर्मो का वंध कर आते हैं जिस कारण अगले भवों में दुख की प्राप्ति होती है। ये उदगार पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर महाराज ने कीर्ति नगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार, 26 अगस्त को आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने आगे कहा कि आज व्यक्ति अपने धन का दुरुपयोग ज्यादा करता है सदुपयोग कम कर रहा है। जहां पैसा खर्च करना चाहिए वहां नहीं करके वह दूसरी जगह खर्च ज्यादा करता है ।मंदिरों के उपकरण हमेशा अच्छे रखना चाहिए। जैसा हम मंदिर के लिए दान देंगे वैसा ही हमारे लिए पुण्य मिलेगा । हमें अपना विश्वास बनाकर जीना चाहिए । गुरु की दृष्टि से जीवन जीना तो कभी दुखी नहीं होंगे क्योंकि गुरु हमेशा अपने शिष्य को सदमार्ग ही बताते हैं। मुनि श्री ने समाज को सचेत करते हुए कहा कि जो हमारे धर्म की रक्षा करें हमारे गुरुओं की रक्षा करें ऐसे लोगों का हमें साथ देना चाहिए। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के दौरान गुरुवार 28 अगस्त से 6 सितम्बर तक दस दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर - 2025 का आयोजन सन्नी पैराडाईज के पीछे, मुंशी महल गार्डन, टौक रोड़ पर विशाल आयोजन होगा जिसमें पूरे

देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन ने बताया कि बुधवार , 27 अगस्त को मंदिर परिसर में प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर के मंगल प्रवचन होगें। सायंकाल श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। -**विनोद जैन कोटखावदा**

नवकार युवा मंच बोदला परिक्षेत्र का हुआ नवीन कार्यकारिणी का गठन

आगरा। बोदला के श्री पदमप्रभु जिनालय अवधपुरी के अंतर्गत नवकार युवा मंच बोदला परिक्षेत्र की नवीन कार्यकारिणी का गठन श्री पदमप्रभु जिनालय अवधपुरी में मंगलवार को किया गया ।जिसमें सभी की सहमति से संयोजक पद पर अंकुर जैन,संजय जैन एवं विकास जैन का चयन किया गया। इसके साथ ही दीपक जैन,तरूण जैन,उदभव जैन, सौरभ जैन,डॉक्टर यतीन्द्र जैन,पीयूष जैन,आकाश जैन,राजा जैन को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नियुक्ति किया गया,और मीडिया प्रभारी शुभम जैन को बनाया ।इस अवसर पर मंदिर कमेटी ने सभी सदस्यों का स्वागत सम्मान किया ।इस नवीन कार्यकारिणी से अवधपुरी जैन समाज में उत्साह का माहौल है और सभी युवाओं ने इस वर्ष दशलक्षण महापर्व को भव्यता से मनाने का निर्णय लिया ।इस मौके पर जितेंद्र जैन,आदित्य जैन,ऋषभ जैन, अर्पित जैन,प्रफुल्ल जैन,रजत जैन, निकेत जैन,विपिन जैन समस्त नवकार युवा मंच के सदस्य मौजूद रहे। -**रिपोर्ट शुभम जैन**

नेमीसागर कालोनी मन्दिर दसलक्षण समारोह के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कालोनी स्थित श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में आगामी 28 अगस्त से शुरू होने वाले दसलक्षण पर्व पर आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पोस्टर का विमोचन राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के कर कमलों द्वारा किया गया। साथ ही अविनाश गहलोत को समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जिस पर उन्होंने अपनी सहमति भी प्रदान की। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे.के.जैन कालाडेरा वालों ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दसलक्षण पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जायेगा। इस दौरान प्रतिदिन प्रातःकाल में श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ दसलक्षण विधान मण्डल पूजन का आयोजन पूरे साजबाज के साथ किया जायेगा। प्रतिदिन दोपहर में स्वाध्याय कक्षा के साथ-साथ सायंकालीन सामूहिक आरती एवं णमोकार महामंत्र का जाप, प्रवचन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इस अवसर पर पूनमचन्द ठोलिया, विजय कुमार बड़जात्या के साथ समाज के गणमान्यजन भी उपस्थित थे। यह उल्लेखनीय है कि दसलक्षण पर्व के दौरान दिगम्बर जैन धर्मावलम्बी श्रावक-श्राविकागण तप, त्याग और संयम धारण करते हैं।

निजी गार्ड्स को सीआईएसएफ देगी खास ट्रेनिंग

हाइब्रिड बन्दरगाह सुरक्षा मॉडल की शुरूआत

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। सीआईएसएफ द्वारा हाइब्रिड बन्दरगाह की शुरूआत की गई हे जिसके अन्तर्गत निजी गार्ड्स को खास प्रशिक्षण दिया जायेगा। कोटा थर्मल के सीआईएसएफ उप कमांडेंट राम सुख ने बताया कि बंदरगाहों के हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल के लिये केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने बंदरगाहों पर तैनात निजी सुरक्षा कर्मियों के लिए अपना पहला विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किया है जिसकी जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) मुंबई और चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण (सीएचपीए) में एक साथ शुरू की गई हे इस पहल का उद्देश्य निजी सुरक्षा कर्मियों की क्षमता निर्माण, बंदरगाह सुरक्षा प्रोटोकॉल के मानकीकरण और सभी बंदरगाहों पर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संहिताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करके भारत के हाइब्रिड बंदरगाह सुरक्षा मॉडल को मजबूत करना है। दो सप्ताह का ''बंदरगाह- सुविधा सुरक्षा पाठ्यक्रम'' सीआईएसएफ द्वारा जहाजरानी (शिपिंग) महानिदेशालय और अन्य हितधारकों के परामर्श से तैयार किया गया है। यह निजी सुरक्षा कर्मचारियों को बंदरगाह संचालन, खतरे की पहचान और आपातकालीन प्रतिक्रिया के आवश्यक ज्ञान से लैस करेगा पाठ्यक्रम में कानूनी ढाँचे, तकनीकी सुरक्षा उपकरणों के उपयोग और अंतर्राष्ट्रीय जहाज एवं बंदरगाह-सुविधा सुरक्षा (आईएसपीएस) संहिता के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मानकों को भी शामिल किया गया है। सीएचपीए, चेन्नई में उद्घाटन सत्र के दौरान, चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष, सुनील पालीवाल (आईएएस) ने कहा इस पाठ्यक्रम की शुरूआत बंदरगाह सुरक्षा प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है सरवनन महानिरीक्षक (भापूसे), सीआईएसएफ दक्षिण खंड मुख्यालय ने कहा कि बंदरगाहों के जटिल वातावरण के अनुरूप केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान करके, हम सुरक्षा कर्मियों को आत्मविश्वास और पेशेवरिता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए सशक्त बना रहे हैं, जिससे महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे और व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है।

संयम की साधना में पंचेंद्रियों पर अंकुश आवश्यक है : मुनिश्री विलोकसागर

दश लक्षण पर्व श्रावकों को संयम का मार्ग दिखाता है

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। जैन दर्शन में प्राणी मात्र के कल्याण पर जोर दिया गया है । संसार के प्रत्येक प्राणी के अंदर अपार क्षमता है । लेकिन कषायों के वशीभूत होकर वह सब कुछ भूल चुका है । सांसारिक प्राणी क्रोध, मान, माया लोभ के वशीभूत होकर चार गति चौरासी लाख योनियों में भ्रमण करता रहता है। संसार सागर से पार होने के लिए पूवार्चार्यों ने हमें दो मार्ग बतलाए हैं । प्रथम मार्ग श्रमण परम्परा यानिकि मुनि बनाना होगा, दिगंबरत्व धारण करना होगा । द्वितीय मार्ग गृहस्थ अवस्था यानिकि श्रावक धर्म स्वीकार करना होगा । मुनिराज तो पंच महाव्रत, अहिंसा महाव्रत, सत्य महाव्रत, अचौर्य महाव्रत, अपरिग्रह महाव्रत, ब्रह्मचर्य महाव्रत का पालन करते हुए पूर्णरूपेड़ पाप आदि क्रियाओं से दूर रहकर धमार्राधना करते हैं। मुनिराज तो महाव्रती होते हैं, पांचों महाव्रतों का पालन करते हुए, अपने अंतरंग से विकारों को नष्ट कर, संयम की साधना कर लेते हैं, लेकिन गृहस्थ अवस्था में श्रावक इन पांच पापों का पूर्ण त्याग नहीं कर पाता, यही कारण है कि वह संयम भी धारण नहीं कर पाता।

अमीरी मिली लेकिन बीमारियां इतनी हैं कुछ खा नहीं पाता ये हमारी भूल का नतीजा है : मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज

देशभर से शिविरार्थियों के आने का सिलसिला चालू

जैन समाज ने बैठक कर सभी तैयारियों को दिया अंतिम रूप : राकेश कांसल

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

बहुत अमीर आदमी है लेकिन बीमारियां इतनी हैं कुछ खा नहीं पाता सबसे बड़ी भूल हुई हम से हमें जो कुछ भी मिला उसका दुरूपयोग किया हमें धन दौलत मिली स्वस्थ्य शरीर मिला हमें आंखे मिलीं इनका सदुपयोग करना ही भूल गए हमें भारत देश मिला क्यों इस सृष्टि में सबसे कठिन बीजा भारत का था जो कर्म भारत में है उसमें भी कठिन है मध्यप्रदेश में भी मध्यभारत में सबसे ज्यादा शाकाहारी हैं सब जातियों की अपेक्षा छत्री ब्रह्मण क्षत्रिय वैश्य जैन इन सभी की अपेक्षा साथ ही ये जिला सबसे शांत और आपसी सदभाव के लिए भी पूरे मध्य प्रदेश में अलग स्थान रखता है कोरोना की महा बीमारी से भी हम वचन गये क्यों नहीं मरा मर सकता था क्यों नहीं मरा मेरी किस्मत में तो भगवन तेरे चरणों की सेवा लिखीं थीं हम विचार करें धन मिला सारे खर्चे काटकर दो पैसे वच जातें हैं दुनिया में ऐसे बहुत सारे लोग हैं जिनके खर्चे पूरे नहीं हो रहे हमारे पास तो दो रुपए वच रहें हैं थोड़ा प्रश्न उठाओ क्यों ?ऐसे भी लोग हैं जो सोच नहीं सकते हमें आंखे मिलीं कान मिला स्वस्थ शरीर मिला गाड़ी मिली कितने लोग ऐसे हैं जिनके पास साइकिल भी नहीं है आपके पास बेटे बिटिया है तुम्हारी दुनिया में इज्जत है अशोक नगर बालों ने इतनी बड़ी अगवानी की क्यों इस बात की खोज हमें करना होगी उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

हमे अपनी पूरी क्षमता के साथ सेवाएं देने का अवसर आ गया है

इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि भारत भ्रमण के साथ पचास हजार किलोमीटर पदयात्रा कर मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज संघ सहित नगर में आयें

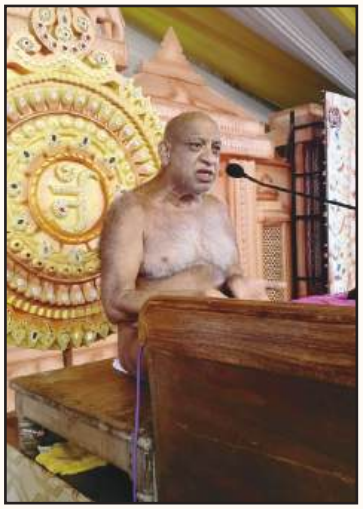

है तो इनके पीछे भक्तों का भी तो सैलाब है जो अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर में भाग लेने आ रहे हैं उत्तर से दक्षिण भारत तक के समाचार लगातार मिल रहे हैं श्रावक संस्कार शिविर के पुण्यर्जक शालू भारत संजीव श्रागर परिवार सहित पूरा संयोजक मंडल दिन रात सभी व्यावथाओ को संभाल रहे हैं। जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल की अध्यक्षता में आज जैन समाज पंचायत कमेटी की मिटिग वाल ब्रह्मचारी प्रदीप भइया के मुख्य अतिथि में हुई जहां सभा में महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि हम सब को एक चुनौती मिली है इस चुनौती को स्वीकार कर हमें हर कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करना है आप सब लोग बहुत काम कर रहे हैं लेकिन परीक्षा की घड़ी अब आ रही है इसमें सभी नगर वासियों का हमें सहयोग चाहिए इस दौरान बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भइया ने कहा कि इस शिविर में देश भर से शिविरार्थी आ रहे हैं हमें उनका ऐसा आत्थिया सतकार करना है आने वाले भक्त आपको जीवन भर याद रखेगे अब इस नगर की इज्जत आप के हाथ में है आने वाले दिनों में हमे ऐसा कुछ करना है जो सभी को गौरवान्वित करें इस दौरान शिविर पुण्यर्जक शालू भारत संजीव श्रागर कमेटी के कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य संयोजक उमेश सिघई मनीष सिंघई मनोज रन्नौद संयोजक श्रेयांस घैला थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री मनोज भैसरवास पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई सहित अन्य प्रमुख जन उपस्थित थे।

आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी वर्ष के अवसर पर बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर व्यक्तित्व- कृत्तित्व राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी सफलतापूर्वक हुई संपन्न

आगम साधु के नेत्र हैं: आचार्य श्री वर्द्धमानसागर

आचार्यश्री बोले समाज को धर्म के लिए संगठित होना बहुत जरूरी है

टोंक. शाबाश इंडिया

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी वर्ष के अवसर पर बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर व्यक्तित्व- कृत्तित्व राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी का आयोजन वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य वर्द्धमानसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य व डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर के संयोजकत्व में जैन नसिया, भगवान महावीर मार्ग, टोंक , राजस्थान में दिनांक 23 व 24 अगस्त 2025 को वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्द्धमानसागर वषायोग समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज टोंक के तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। विद्वत संगोष्ठी में देश के मूर्धन्य मनीषी विद्वानों ने अपने आलेखों के माध्यम से बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के अवदान को रेखांकित किया। 23 अगस्त को प्रातः 8 बजे से उदघाटन सत्र पुण्यार्जक परिवार द्वारा ध्वजारोहण व मंगल कलश की स्थापना के साथ शुरू हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत- अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्रि-परिषद ने की। संचालन डॉ. सुनील संचय ललितपुर ने किया। इस सत्र में प्रोफेसर फूलचन्द्र प्रेमी वाराणसी, डॉ. सुरेन्द्र कुमार जैन भारती बुरहानपुर, डॉ. अनेकांत जैन दिल्ली ने अपने आलेख प्रस्तुत किए। दूसरा सत्र दोपहर में प्रोफेसर फूलचन्द्र प्रेमी वाराणसी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। संचालन डॉ. सोनल जैन दिल्ली ने किया। इस सत्र में प्रोफेसर जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर, प्रोफेसर नरेन्द्र कुमार जैन टीकमगढ़, प्रोफेसर नलिन के शास्त्री दिल्ली, प्रोफेसर जयकुमार उपाध्ये दिल्ली, पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, डॉ आनंद प्रकाश जैन कोलकाता, डॉ. ज्योतिबाबू जैन उदयपुर, डॉ. पंकज जैन इंदौर ने अपने आलेख प्रस्तुत किए। 24 अगस्त को प्रातः तृतीय सत्र प्रोफेसर जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। संचालन डॉ. पंकज जैन इंदौर ने किया। इस सत्र में डॉ. शीतलचंद्र जैन जयपुर , डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, ब्र. जयकुमार निशान्त टीकमगढ़, डॉ. सोनल कुमार जैन दिल्ली ने अपने आलेख प्रस्तुत किए। दोपहर में चतुर्थ सत्र डॉ. शीतलचंद्र जैन जयपुर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। संचालन डॉ. आनंद प्रकाश जैन कोलकाता ने किया। इस सत्र में डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर, डॉ. आशीष जैन आचार्य सागर, डॉ. सुधीर जैन बारामती, डॉ. आशीष जैन (बम्होरी) दमोह ने अपने आलेख प्रस्तुत किए। संगोष्ठी आलेखों की पुस्तक का हुआ भव्य विमोचन : इस मौके पर 24 अगस्त को चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी वर्ष के अवसर पर बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर व्यक्तित्व- कृत्तित्व राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा प्रस्तुत आलेखों की पुस्तिका का भव्य विमोचन संगोष्ठी में उपस्थित विद्वानों द्वारा किया गया। पुस्तक का संपादन डॉ. सुनील संचय ललितपुर ने किया है। पुस्तक की प्रथम प्रति आचार्यश्री के कर कमलों में भेंट की गई इसके बाद सभी को पुस्तक प्रदान की गई। 23 अगस्त को शाम को आचार्य श्री वर्द्धमानसागर जी महाराज के साथ विद्वानों की अंतरंग चर्चा हुई जिसमें अनेक बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस अवसर पर वात्सल्य वारिधि पंचमपट्टाचार्य श्री वर्द्धमानसागर जी महाराज ने कहा कि साधु के नेत्र आगम है, साधु को आगम अनुसार चलना चाहिए ।साधु का लक्षण परिग्रह रहित , कषाय रहित होकर स्वाध्याय प्रेमी होना चाहिए। सभी को समाज को जोड़ना चाहिए, यदि समाज जोड़ नहीं सकते तो तोड़ने का कार्य नहीं होना चाहिए। वर्तमान में समाज को संगठित होना बहुत जरूरी है। सभी को प्रेम ,वात्सल्य भाव रखकर समाज को संगठित करना चाहिए। वर्तमान में व्याप्त अनेक विसंगतियों के लिए अपना समन्वय सूत्र बताते हुए कहा कि हम अपनी छोड़ेगे नहीं, और आपकी बिगाड़ेंगे नहीं। यह सूत्र हमने जीवन में 57 वर्षों के संयम जीवन में अपनाया है और शिष्यों को भी यही प्रेरणा देते हैं। उन्होंने विद्वानों से कहा कि अपनी ठेस बचाने के लिए आगम को ठेस नहीं लगना चाहिए। प्राचीन आगम परंपरा में परिवर्तन, बदलाव करने से समाज में विवाद और विघटन होता है। साधु का हमेशा उदासीन भाव रहना चाहिए। ट्रस्ट मंदिर संपति का निजी उपभोग हानिप्रद हैं। उन्होंने कहा कि एकल विहार का मतलब अपनी प्रभावना करना है, इससे धर्म की प्रभावना नहीं होती है। साधु संघ सहित विहार करे, एकल विहार न करे। आचार्यश्री ने कहा कि पहले मकान कच्चे होते थे लेकिन उनमें रहने वाले श्रावक पक्के होते थे लेकिन आज मकान पक्के हैं परंतु श्रावक कच्चे। आचार्य श्री शांतिसागर जी श्रमण साधु परम्परा कुल के पितामह थे हैं और रहेंगे। आचार्यश्रीआत्म विद्या के महाज्ञानी थे उनमें आत्मज्ञान बहुत था ,आत्मा ही सर्वश्रेष्ठ है, वह अनासक्ति के सर्वोच्च शिखर पर रहे। गृहस्थ अवस्था से वह अनासक्ति और निष्प्रही रहे, उनमें बचपन से वैराग्य और चारित्र था , वह अपने ज्ञान से सभी को वह स्वाध्याय की प्रेरणा देते थे। हम उनके जैसी तपस्या नहीं कर सकते किंतु समन्वय का गुण, संघ परंपरा अनुसार आज भी विद्यमान हैं। इस अवसर पर मुनि श्री हितेंद्रसागर जी महाराज ने आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज को चारित्र चक्रवर्ती की उपाधि की उपादेयता के बारे में अपने ओजस्वी प्रवचनों में बताया। उन्होंने कहा कि बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी ने मुनिचर्या का पुनरूत्थान, चतुर्विध संघ की स्थापना, जिनालय संरक्षण, गृहीत मिथ्यात्व का त्याग, जैन मंदिर संकट निवारण आदि अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि विद्वानों में वह पावर है जिसके पावर से पूरे समाज को एक झंडे के तले ला सकते हैं।

विद्वानों का हुआ सम्मान

इस अवसर पर सभी विद्वानों का वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्द्धमानसागर वषायोग समिति एवं सकल जैन समाज टोंक के पदाधिकारियों अध्यक्ष धर्मचंद जैन दाखिया, भागचंद जैन, संयोजक कमल आंडरा, अशोक झिराणा, राजेश जैन, अनिल कंटान, सुमित दाखिया, अमित दामुनिया, लोकेश जैन आदि ने प्रमाण पत्र, माला, तिलक, स्मृति चिन्ह, साहित्य, दुप्पट्टा आदि के द्वारा भव्य सम्मान किया। इस मौके पर टोंक जिला प्रमुख श्रीमती सरोज बंसल प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। संगोष्ठी में स्थानीय विद्वान राजीव जैन शास्त्री, अनिल जैन शास्त्री, रजनीश शास्त्री लावां आदि भी उपस्थित रहे। संगोष्ठी को सफल बनाने में स्थानीय प्रभारी सुमित दाखिया, अमित छमुनिया, अनिल कंटान, अंशुल आरटी, सुनील जैन आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस मौके पर आचार्यश्री के संघ में सल्लेखनारत मुनि श्री चिन्मय सागर जी महाराज के दर्शन करने विद्वान पहुंचे और संवाद किया। आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी महोत्सव पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमानसागर जी की प्रेरणा से पूरे भारत में वर्ष मनाया जा रहा है उसी उपलक्ष्य में इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

-डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर,
संयोजक विद्वत्संगोष्ठी

खोलो परभव बैंक में खाता: युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी

संवत्सरी है आत्मा की बैलेंस शीट बनाने का दिन

पनवेल. शाबाश इंडिया

पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के सातवें दिन मंगलवार को जैन स्थानक में आयोजित विशाल धर्मसभा में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने खोलो परभव बैंक में खाता विषय पर श्रद्धालुओं को संबोधित किया। युवाचार्य प्रवर ने कहा कि पर्युषण कोई बाहरी या भौतिक उत्सव नहीं है, यह आत्मा और ज्ञान-संस्कार का उत्सव है। संवत्सरी महापर्व आत्मा की साधना और परमात्मा की आराधना का महापर्व है। इसे उत्साहपूर्वक मनाने के लिए अपने भीतर पुण्यवाणी का बैलेंस बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन में हमने अनेक खाते खोले हैं धन के, संपत्ति के, बैंक के। परंतु मृत्यु के बाद इनमें से कुछ भी साथ नहीं जाएगा। अगले जन्म में वही खाता काम आएगा जिसमें पुण्य की राशि, धर्म, दान, शील, तप और भाव का संग्रह होगा। जैसे बिना बैलेंस के अकाउंट फ्रीज हो जाता है, वैसे ही बिना साधना और पुण्य के आत्मिक खाता निष्क्रिय हो जाता है। युवाचार्यश्री ने यह भी कहा कि पर्युषण का सातवां दिन सेमी-फाइनल की तरह है और संवत्सरी उसका फाइनल। जैसे शादी या बड़े अवसर के लिए महीनों पहले तैयारी करनी पड़ती है, वैसे ही संवत्सरी के लिए सात दिन तक साधना और तप का अभ्यास आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि उपवास, एकासन, अट्ठाई, मसखमान जैसी तपस्याएँ इस उत्सव का श्रृंगार हैं। दिवाली पर दीप जलते हैं, होली पर पिचकारी आती है, परंतु पर्युषण पर हम स्वयं को सजाते हैं तपस्या और संयम से। युवाचार्यश्री ने दान के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि शालीभद्र की खीरदान की कथा हो या श्रेयांस कुमार का प्रथम दान, यह दान ही परभव के खाते में पूंजी है, जो आत्मा के साथ जाती है। दान तभी सार्थक है जब उसमें वित्त, पात्र और भाव तीनों का संगम हो। उन्होंने बताया कि यदि कोई दान देकर भी उसका पछतावा करे या गलत उपयोग की आशंका में चिंता करे, तो वह दान वास्तविक दान नहीं कहलाता। दान का अर्थ है स्वामित्व छोड़ देना। यदि अभी भी अधिकार का भाव है, तो वह दान नहीं। उन्होंने कहा कि आत्मा मूलतः शुद्ध है, परंतु कर्मों की परत उसे ढक देती है। भाव से किए गए कार्य ही परभव में काम आते हैं। युवाचार्यश्री ने श्रद्धालुओं का आह्वान करते हुए कहा संवत्सरी महापर्व के फाइनल दिवस से पहले हर कोई आत्ममंथन करे मैं क्या करने वाला हूँ? और धर्म, तप व दान की पूंजी से अपने परभव बैंक में अमूल्य खाता खोले। इस अवसर पर हितमित भाषी हितेंद्र ऋषिजी एवं धवल ऋषिजी ने शास्त्र का वाचन एवं विवेचन भी किया। इस दौरान बड़ी संख्या में तपस्वी श्रावक - श्राविकाओं ने युवाचार्यश्री से तपस्याओं के प्रत्याख्यान लिए 32, 27, 16, 9, 8 एवं 7 उपवास के अनेक जनों के अलावा 5 उपवास के भी प्रत्याख्यान लिए। चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों और उपस्थित सभी ने तपस्वियों के तप की अनुमोदना की। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष राजेश बांठिया ने जानकारी देते हुए बताया कि संवत्सरी पर्व पर पनवेल सकल जैन समाज अपनी प्रतिष्ठानें और व्यापार बंद रखेगा तथा युवाचार्यश्री के सान्निध्य में उपवास, तप एवं धर्म आराधना करेगा।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

आईजा महिला विंग का हुआ गठन, प्रदेश अध्यक्ष बनी रूचि चोविशया जैन

पांच अक्टूबर को होने जा रहा पत्रकारो का महा सम्मेलन

इंदौर. शाबाश इंडिया। देवी अहिल्या की पावन नगरी इंदौर में ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन आईजा के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश आईजा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सैनानी द्वारा मध्य प्रदेश आईजा महिला विंग का गठन किया। इस अवसर पर रूचि चोविशया जैन इंदौर को महिला विंग का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसी के साथ डॉक्टर किरण जैन को आईजा महिला विंग का प्रदेश महासचिव एंव किरण रांका आष्टा को प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ श्रीमति नम्रता जैन सैनानी को आईजा महिला विंग का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि पहली बार आईजा द्वारा पत्रकारो की महिला विंग का गठन किया गया है। इस मौके पर महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष रूचि चोविशया जैन ने कहा कि मध्यप्रदेश में आईजा महिला विंग का संभाग,जिला स्तर पर शीघ्र गठन किया जाएगा। उन्होने कहा कि आगामी 5 अक्टूबर को गुरूवर जगत पूज्य गुरुवर निर्यापक श्रवण मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर महाराज के सान्निध्य में म.प्र के अशोकनगर जिले में राष्ट्रीय स्तर का पत्रकारो का महासम्मेलन एंव जैन महिला पत्रकारो का सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है।

बंगाली बाबा मंदिर में सिंजारा पर्व मनाया, गणेश चतुर्थी आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर में दो दिवसीय श्री महागणपति महोत्सव के तहत मंगलवार को सिंजारा पर्व मनाया गया। इस दौरान मंदिर प्रांगण प्रथम पूज्य के जयकारों से गंजायमान हो उठा। इस मौके पर गणेश जी को मेहंदी अर्पित की गई। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि महोत्सव के तहत मंगलवार को सुबह प्रथम पूज्य का पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद सुबह सिंदूर अर्पण करने के बाद सिजारा पर्व मनाया गया। इस मौके पर सौभाग्य देवी पूजन,चन्द्रार्चन व मेहंदी,सौभाग्य सामग्री का अर्पण किया गया। इस अवसर पर गणेशजी महाराज का आकर्षक श्रंगार किया गया,जो भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा। इस मौके पर करीब 60 के आसपास मेहंदी कलाकारों ने दिनभर में करीब 900 के महिलाओं को मेहंदी लगाई,साथ ही भक्तों को मेहंदी वितरित की जाएगी। महामंत्री गजेन्द्र लूणीवाल व कोषाध्यक्ष विष्ण कुमार अग्रवाल ने बताया कि गणेष चतुर्थी बुधवार मनाई जाएगी। इस मौके पर सुबह 5 बजे मोदक अर्पण के बाद दोपहर 1 बजे महाआरती व बैंडवादन के बाद साम को 6 बजे भजन संध्या का आयोजन होगा। इस अवसर पर स्थानीय कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर भक्तों के लिए प्रसादी तैयार की जा रही है जिसमें 900 किलो चीनी,300 किलों के आसपास बेसन व 30 पीपी घी का उपयोग किया जाएगा।

जैन धर्मावलंबियों ने श्रद्धापूर्वक मनाया रोट तीज का महापर्व

सीकर. शाबाश इंडिया

सीकर शहर में दिगंबर जैन समाज ने मंगलवार को रोट तीज महापर्व श्रद्धापूर्वक मनाया। जैन धर्म में यह पर्व विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने व्रत रखा और मंदिरों में 24 तीर्थंकरों की पूजा की गई ।समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि जैन परिवारों में इस दिन गेहूं के मोटे आटे के रोट बनाए जाते हैं। साथ ही हलवा , चीनी का बुरा और तुरई की सब्जी प्रमुख हैं । परंपरा के अनुसार सबसे पहले बनाया गया रोट भगवान के समक्ष अर्पित किया जाता है । त्यौहार से पूर्व घर की रसोई की विशेष सफाई की जाती है। महिलाएं पूजा-पाठ के बाद रोट तीज की विधि संपन्न करती हैं। रोट तीज का व्रत हर वर्ष भाद्र पक्ष मास के शुक्ल पक्ष की तृतीय तिथि को मनाया जाता है। विवेक पाटोदी ने बताया कि जैन दिगंबर समाज का 10 दिवसीय दशलक्षण महापर्व भाद्रपद शुक्ला पंचमी गुरुवार से प्रारंभ होगा । दशलक्षण महापर्व में शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-पाठ , धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रहेगी ।